क्या आप सचमुच प्रभु यीशु के चेले हैं?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

बहुत से लोग कहते हैं कि वे यीशु का अनुसरण करते हैं, लेकिन हर कोई सच में उनका चेला नहीं होता। बाइबल के अनुसार, चेला बनना केवल परमेश्वर पर विश्वास करने या कलीसिया में जाने से कहीं अधिक है। यह आपके पूरे जीवन—आपकी इच्छाओं, योजनाओं और पहचान—का सम्पूर्ण समर्पण माँगता है।

1. यीशु का अनुसरण करना “स्वयं का इन्कार” करने से शुरू होता है

यीशु ने चेलापन के लिए जो सबसे पहली और आवश्यक बात कही, वह यह थी:

“यदि कोई मेरे पीछे आना चाहे तो वह अपने आप का इन्कार करे और अपना क्रूस प्रतिदिन उठाए और मेरे पीछे हो ले।”
— लूका 9:23 (ERV-HI)

अपने आप का इन्कार करने का मतलब है अपनी इच्छा को छोड़कर परमेश्वर की इच्छा को स्वीकार करना। इसका अर्थ है कि अब आप अपने सुख के लिए नहीं, बल्कि मसीह को प्रसन्न करने के लिए जीते हैं।

पौलुस ने भी यही कहा:

क्या आप सचमुच प्रभु यीशु के चेले हैं?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

“मैं मसीह के साथ क्रूस पर चढ़ाया गया हूँ। अब मैं नहीं रहा, बल्कि मसीह मुझमें रहता है…”
— गलातियों 2:20 (ERV-HI)

यदि आप अब भी अपने पुराने जीवन—पापी आदतों, सांसारिक मित्रताओं और स्वार्थी महत्वाकांक्षाओं—से चिपके हुए हैं, तो आपने अभी तक स्वयं को नहीं नकारा है। इसका अर्थ है कि आप अभी सच्चे चेला नहीं बने हैं।

2. स्वयं को नकारने का मतलब सांसारिक बंधनों को छोड़ना भी है

कभी-कभी हमारी सबसे बड़ी रुकावट हमारी अपनी इच्छा नहीं, बल्कि दूसरों का प्रभाव होता है—परिवार, मित्र या अपने ही बच्चे।

यीशु ने स्पष्ट कहा:

“जो कोई अपने पिता या अपनी माता को मुझसे ज़्यादा प्रेम
करता है, वह मेरे योग्य नहीं। और जो कोई अपने पुत्र या
पुत्री को मुझसे ज़्यादा प्रेम करता है, वह मेरे योग्य
नहीं।”

क्या आप सचमुच प्रभु यीशु के चेले हैं?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

— मत्ती 10:37 (ERV-HI)

अर्थात कोई भी रिश्ता—चाहे कितना भी प्रिय क्यों न हो—मसीह की आज्ञाकारिता से अधिक महत्त्वपूर्ण नहीं होना चाहिए।

यह शिक्षा प्रथम आज्ञा की याद दिलाती है:

“तू मेरे अलावा किसी और देवता की उपासना नहीं करना।”
— निर्गमन 20:3 (ERV-HI)

आज के समय में आपका “देवता” आपका बच्चा, जीवनसाथी, नौकरी या प्रतिष्ठा हो सकता है। लेकिन यदि आप मसीह के लिए इन्हें छोड़ने को तैयार नहीं हैं, तो आप उसके योग्य नहीं हैं।

3. सच्चा चेलापन पाप से अलगाव की माँग करता है

आप यीशु का अनुसरण करते हुए ज्ञात पापों में नहीं रह सकते। चाहे वह व्यभिचार (विवाह से बाहर यौन संबंध), हस्तमैथुन, अश्लीलता, रिश्वत, शराबखोरी या बेईमानी हो—यदि आप इनसे चिपके हुए हैं और पश्चाताप नहीं करते, तो बाइबल कहती है कि आप स्वयं को धोखा दे

क्या आप सचमुच प्रभु यीशु के चेले हैं?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

रहे हैं।

“क्या तुम नहीं जानते कि अन्यायी लोग परमेश्वर के राज्य को प्राप्त नहीं करेंगे? धोखा न खाना! न व्यभिचारी, न मूर्तिपूजक, न व्यभिचार करने वाले… न चोर… परमेश्वर के
राज्य को पाएँगे।”
— 1 कुरिन्थियों 6:9–10 (ERV-HI)

आप चर्च में सेवा कर सकते हैं, गीत गा सकते हैं, दशमांश दे सकते हैं, और फिर भी अयोग्य ठहर सकते हैं यदि आपका जीवन पवित्र नहीं है। परमेश्वर धार्मिक दिखावे से नहीं, बल्कि आज्ञाकारिता और शुद्ध हृदय से प्रसन्न होता है।

“सबके साथ मेल से रहो और पवित्रता के लिये प्रयत्न करो, क्योंकि बिना पवित्रता के कोई भी प्रभु को नहीं देख पाएगा।”
— इब्रानियों 12:14 (ERV-HI)

4. बहाने नहीं, सच्चा पश्चाताप ही उपाय है

क्या आप सचमुच प्रभु यीशु के चेले हैं?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

कई लोग कहते हैं, “मैंने पाप छोड़ने की कोशिश की, पर नहीं छोड़ पाया।” वे प्रार्थना की मांग करते हैं, लेकिन सच यह है कि उन्होंने अब तक पाप से मुँह मोड़ने का ठोस निर्णय नहीं लिया है।

बाइबल बताती है कि कोई भी प्रार्थना आपकी व्यक्तिगत आज्ञाकारिता की जगह नहीं ले सकती। जब आप परमेश्वर के अधीन होते हैं, तभी उसकी कृपा आपको सामर्थ देती है।

“इसलिये परमेश्वर के आधीन हो जाओ। शैतान का सामना करो और वह तुमसे भाग जाएगा।”
— याकूब 4:7 (ERV-HI)

“परमेश्वर के निकट आओ, तो वह तुम्हारे निकट आएगा।”
— याकूब 4:8 (ERV-HI)

पाप पर विजय भावनाओं से नहीं, निर्णय से शुरू होती है। स्वतंत्रता की शक्ति पश्चाताप के बाद आती है, उससे पहले नहीं।

क्या आप सचमुच प्रभु यीशु के चेले हैं?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

5. यदि तुम यीशु से लज्जित हो, तो वह भी तुमसे लज्जित होगा

कई लोग दूसरों की राय के डर से अपने जीवन में समझौते करते हैं। वे “बहुत धार्मिक” न दिखने के लिए अपने पहनावे, बोलचाल या व्यवहार में संसार का अनुसरण करते हैं। लेकिन यीशु ने चेतावनी दी:

“जो कोई मुझसे और मेरी बातों से लज्जित होगा, मनुष्य का
पुत्र भी जब अपनी, अपने पिता की और पवित्र स्वर्गदूतों की महिमा में आएगा, तो उससे लज्जित होगा।”
— लूका 9:26 (ERV-HI)

यदि आप मसीह से लज्जित हैं—अपने जीवन, वचन या आचरण में—तो आप अपने उद्धार को खतरे में डाल रहे हैं। कोई भी गुप्त रूप से यीशु का चेला नहीं बन सकता।

6. सच्चा उद्धार पाप से मुड़ने की माँग करता है

सच्चा पश्चाताप केवल दुख महसूस करना नहीं है, बल्कि पाप से पूरी तरह मुड़कर आज्ञाकारिता में मसीह की ओर लौटना है।

क्या आप सचमुच प्रभु यीशु के चेले हैं?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 7

“दुष्ट अपने रास्ते को और बुरा आदमी अपने विचारों को छोड़
दे। वह यहोवा के पास लौट आए और वह उस पर दया करेगा।”
— यशायाह 55:7 (ERV-HI)

“इसलिये पश्चाताप करो और परमेश्वर की ओर लौट आओ ताकि तुम्हारे पाप मिटाए जाएँ।”
— प्रेरितों के काम 3:19 (ERV-HI)

जब आप सच्चे मन से पश्चाताप करते हैं, तब पवित्र आत्मा आपको पवित्र और विजयी जीवन जीने की सामर्थ देता है।

7. आपका निर्णय आपके अनन्त भविष्य को तय करेगा

अपने आप से पूछिए—क्या कोई ऐसी चीज़ है जिसे आप यीशु के लिए छोड़ने को तैयार नहीं हैं?

यीशु ने कहा:

क्या आप सचमुच प्रभु यीशु के चेले हैं?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 8

“यदि कोई व्यक्ति सारे संसार को पा ले, पर अपनी आत्मा खो दे,
तो उसे क्या लाभ?”
— मत्ती 16:26 (ERV-HI)

आप सम्मान, धन, प्रसिद्धि या सुख पा सकते हैं—पर यदि आपने मसीह को खो दिया, तो सब कुछ व्यर्थ है।

अब आपको क्या करना चाहिए

यदि आप अब तक केवल दिखावे में मसीह का अनुसरण कर रहे थे, तो आज ही पश्चाताप करें।
यीशु को सबसे ऊपर रखें—चाहे कोई मान्यता दे या न दे।

स्वयं को नकारें।
पाप से मुड़ जाएँ।
दुनिया को प्रसन्न करना छोड़ दें।
और परमेश्वर से शुद्ध हृदय व नया मन माँगें।

“इसलिये यदि कोई मसीह में है, तो वह नई सृष्टि है। पुरानी बातें जाती रहीं, देखो, सब कुछ नया हो गया है।”

क्या आप सचमुच प्रभु यीशु के चेले हैं?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 9

— 2 कुरिन्थियों 5:17 (ERV-HI)

निष्कर्ष: मसीह आनेवाला है—विश्वासयोग्य पाए जाएँ

यीशु पूर्ण लोगों को नहीं, बल्कि समर्पित लोगों को बुला रहा है—जो सब कुछ छोड़कर पूरे दिल से उसका अनुसरण करने को तैयार हैं।
वह आपसे प्रेम करता है और आपको बचाना चाहता है, पर वह आपको मजबूर नहीं करेगा। आपको स्वयं उस संकीर्ण मार्ग को चुनना होगा।

“संकीर्ण द्वार से प्रवेश करो क्योंकि द्वार चौड़ा है और
मार्ग आसान है जो विनाश की ओर ले जाता है। परन्तु द्वार छोटा
है और मार्ग कठिन है जो जीवन की ओर ले जाता है, और थोड़े ही
लोग उसे पाते हैं।”
— मत्ती 7:13–14 (ERV-HI)

क्या आप उन थोड़े लोगों में होंगे?

(प्रभु यीशु शीघ्र ही आने वाले हैं।)

क्या आप सचमुच प्रभु यीशु के चेले हैं?

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 10

परमेश्वर आपको आशीष दे और आपको सच्चे चेलापन के इस मार्ग पर दृढ़ बनाए रखे।

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp